688

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

BASL-302

वेद एंव उपनिषद

कला में स्नातक (बी0ए0–12/16/17)

तृतीय वर्ष, सत्र 2021 (Winter)

Time: 2 Hours Max. Marks: 80

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 20 = 40]

P.T.O.

Q.1. इन्द्र तथा सूर्य देवताओं का विस्तार से वर्णन कीजिये।

Q.2. उपनिषदों की संख्या बताते हुए कठोपनिषद की विषयवस्तु का प्रतिपादन कीजिये।

Q.3. ऋग्वेदकालीन धर्म एंव संस्कृति पर प्रकाश डालिए।

Q.4. यजुर्वेद की शाखाओं तथा प्रतिपादय–विषय का वर्णन कीजिये।

Q.5. उपनिषदों के अनुसार पुनर्जन्म और कर्म–सिद्धान्त का विवेचन कीजिये।

खण्ड– ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 10 = 40]

Q.1. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए =

उप त्वाग्ने दिवे दिवे दोषावस्तर्धिया वयम्।
नमो भरन्त एमसि।।

Q.2. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए =

प्रावेपा मा बृहतो मादयन्ति प्रवातेजा इरिणे वर्वृतानाः।
सोमस्येव मौजवतस्य भक्षो विभीदको जागृविर्मंहयमच्छान्।।

Q.3. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए =

सर्वे वेदाः यत्पदमामनन्ति तपांसि सर्वाणि च यद्वदन्ति।
यदिच्छन्तो ब्रहमचर्यं चरन्ति तत्ते पदं संग्रहेण ब्रवीम्योमित्येतत्।।

Q.4. वैदिक संस्कृत तथा लौकिक संस्कृत में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

Q.5. ऋग्वेद के दो प्रमुख भाष्यकारों का परिचय लिखिये।

Q.6. अथर्ववेद की शाखाओं का वर्णन कीजिये।

Q.7. व्याकरण वेदांग का परिचय लिखिये।

Q.8. आरण्यकों के प्रतिपाद्य विषय का वर्णन कीजिये।

———————————